

भारत सरकार और सऊदी अरब राज्य की सरकार के
मध्य दोनों देशों के अपने अपने भू-भागों के बीच और
उनके परे हवाई सेवाओं की व्यवस्था के लिए करार

भारत सरकार और सऊदी अरब राज्य की सरकार, जो
इसके बाद "सविदाकारी पक्ष" कहे गये है, और

जो 7 दिसम्बर, 1944 को शिकागो में हस्ताक्षर के लिए
प्रस्तुत किये गये अन्तर्राष्ट्रीय नागर विमानन अभिसमय के हस्ताक्षरकर्त्ता हैं,

अपने अपने भू-भागों के बीच और उनसे परे हवाई सेवाये
परिचालित करने के लिए करार करने की इच्छा से,

नीचे लिखी बातों पर सहमत हुए हैं :

अनुच्छेद I

जब तक प्रसंग से कोई अन्य अर्थ अभीष्ट न हो, प्रस्तुत
करार के प्रयोजन के लिए :

(क) "अभिसमय" पद से आशय 7 दिसम्बर, 1944 को
शिकागो में हस्ताक्षर के लिए प्रस्तुत किये गये अन्तर्राष्ट्रीय
नागर विमानन अभिसमय से है और इसमें अभिसमय के
अनुच्छेद 90 के अधीन स्वीकृत कोई अनुबंध, तथा उक्त
अभिसमय के अनुच्छेद 90 अथवा 94 के अधीन अनुबंधों
अथवा अभिसमय में किया गया कोई संशोधन, भी शामिल
है ;

(ख) "वैमानिक प्राधिकारी" से आशय, भारत के सम्बन्ध में
नागर विमानन के महानिदेशक से और सऊदी अरब राज्य
की सरकार के सम्बन्ध में, नागर विमानन के महानिदेशक
से या किसी ऐसे व्यक्ति अथवा निगम से है जिसे उक्त
महानिदेशकों द्वारा किये जाने वाले वर्तमान कार्य करने
के लिये प्राधिकृत किया गया हो ;

- (ग) "नामित हवाई कम्पनी" पद से आशय ऐसी हवाई कम्पनी से है जिसे एक सविदाकारी पक्ष के वैमानिक प्राधिकारी प्रस्तुत करार के अनुच्छेद III के अनुसार दूसरे सविदाकारी पक्ष के वैमानिक प्राधिकारियों को लिखित सूचना दे कर नामित कर दें ;
- (घ) "भू-भाग", "हवाई सेवा", "अन्तर्राष्ट्रीय हवाई सेवा" और "यातायात से भिन्न प्रयोजनों के लिए स्कन्ना" पदों से आशय वही है जो कि अभिसमय के अनुच्छेद 2 और 96 में उनके लिए निश्चित किया गया है ।

अनुच्छेद II

प्रत्येक सविदाकारी पक्ष दूसरे पक्ष को इस करार में निर्दिष्ट मार्गों पर हवाई सेवाएँ स्थापित करने के लिए (इन्हें इसके आगे "निर्दिष्ट मार्ग" और "सम्मत सेवाएँ" कहा गया है) करार में निर्दिष्ट अधिकार देता है ; अनुच्छेद III के उपबन्धों का पालन हो जाने के बाद किसी भी समय सम्मत सेवाएँ प्रारंभ की जा सकती हैं ।

2. प्रस्तुत करार के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, प्रत्येक सविदाकारी पक्ष द्वारा नामित हवाई कम्पनी को निम्नलिखित अधिकार होंगे :

- (क) बगैर उतरे हुए ही दूसरे सविदाकारी पक्ष के भू-भाग से होकर उड़ान कर सकना ;
- (ख) यातायात से भिन्न प्रयोजनों के लिए, दूसरे सविदाकारी पक्ष के भू-भाग में रुक सकना ; और
- (ग) निर्दिष्ट मार्ग पर सम्मत सेवा का परिचालन करते समय दूसरे सविदाकारी पक्ष के भू-भाग में प्रस्तुत करार के अनुबंध में उस मार्ग के लिए निर्दिष्ट स्थानों पर यात्रियों, माल और डाक के ऐसे अन्तर्राष्ट्रीय यातायात को उतारने या चढ़ाने के प्रयोजन से, जो पहले वाले सविदाकारी पक्ष

के या किसी तीसरे देश के भू-भाग से आ रहा हो
या वहाँ के लिए जा रहा हो, रुक सकता ।

3. इस अनुच्छेद के पैरा 2 में कही गई किसी बात का यह अर्थ नहीं समझा जाएगा कि उससे एक सविदाकारी पक्ष की हवाई कम्पनी को यह विशेषाधिकार प्राप्त होता है कि वह दूसरे सविदाकारी पक्ष के भू-भाग में ऐसे यात्री, माल या डाक को चढ़ा सकेगा, जिसे उस दूसरे सविदाकारी पक्ष के भू-भाग में ही किसी दूसरे स्थान पर ले जाया जाना हो ।

4. एक सविदाकारी पक्ष के वे कानून, विनियम और अनुदेश जो अन्तर्राष्ट्रीय विमान-चालन के अन्तर्गत परिचालित वायुयान या हवाई सेवाओं के उसके भू-भाग में प्रवेश करने या वहाँ से प्रस्थान करने पर अथवा ऐसे वायुयान या हवाई सेवाओं के परिचालन पर उसके भू-भाग में होने के दौरान लागू होते हों, दूसरे सविदाकारी पक्ष के द्वारा नामित हवाई कम्पनी के वायुयान और सम्मत सेवाओं पर भी लागू होंगे ।

अनुच्छेद III

प्रत्येक सविदाकारी पक्ष को यह अधिकार होगा कि वह निर्दिष्ट मार्गों पर सम्मत सेवाओं के परिचालन के प्रयोजन के लिए दूसरे सविदाकारी पक्ष को लिखित रूप से एक हवाई कम्पनी नामित कर दे ।

2. नामन की सूचना मिलने पर सविदाकारी पक्ष अपने वैमानिक प्राधिकारियों के द्वारा इस अनुच्छेद के पैरा 3 और 4 के उपबन्धों के अधीन रहते हुए नागित हवाई कम्पनी को अविलम्ब उपयुक्त परिचालन अधिकार दे देगा ।

3. एक सविदाकारी पक्ष के वैमानिक प्राधिकारी दूसरे सविदाकारी पक्ष द्वारा नामित हवाई कम्पनी से इस बात का आश्वासन माँग सकता है कि वह उनके द्वारा वायु-वाहनों और अन्तर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक हवाई सेवाओं के परिचालन पर सामान्य रूप से लागू किए जाने वाले कानूनों और विनियमों के अधीन विहित शर्तों का पालन करने के लिए सक्षम है ।

4. यदि कोई सविदाकारी पक्ष इस बात से संतुष्ट न हो कि नामित हवाई कम्पनी का वास्तविक स्वामित्व और प्रभावी नियंत्रण काफ़ी हद

तक दूसरे सविदाकारी पक्ष अथवा उसके राष्ट्रिकों में निहित है तो उसको यह अधिकार होगा कि वह ऐसी हवाई कम्पनी के नामन को स्वीकार करने से इकार कर दे या प्रस्तुत करार के अनुच्छेद II के पैरा 2 में निर्दिष्ट उन अधिकारों की मजूरी को रोक या प्रतिसंहृत कर दे अथवा उन अधिकारों के प्रयोग के सम्बन्ध में हवाई कम्पनी पर ऐसी शर्तें लगाए जिन्हें वह आवश्यक समझे । इस पैरा के प्रयोजन के लिए "वास्तविक स्वामित्व तथा प्रभावी नियंत्रण" इस पदावली का अर्थ है कि किसी भी मामले में जहाँ नामित हवाई कम्पनी इस करार के अन्तर्गत किसी अन्य देश की हवाई कम्पनी अथवा किसी अन्य देश की सरकार या राष्ट्रिकों के साथ कोई करार करके अपनी सेवाएँ परिचालित करती है, हवाई कम्पनियों को नामित करने वाले सविदाकारी पक्ष अथवा इसके राष्ट्रिकों का नामित हवाई कम्पनियों पर वास्तविक स्वामित्व तथा प्रभावी नियंत्रण तब तक नहीं समझा जाएगा जब तक कि सविदाकारी पक्ष अथवा इसके राष्ट्रिकों का, नामित हवाई कम्पनियों की परिसम्पत्तियों के एक बड़े भाग पर स्वामित्व के अतिरिक्त

(i) नामित हवाई कम्पनियों के प्रबन्ध में प्रभावी नियंत्रण, और

(ii) सेवाओं के परिचालन में प्रयोग होने वाले हवाई बेड़े एवं उपकरण के बड़े भाग पर भी स्वामित्व तथा प्रभावी नियंत्रण न हो ।

5. इस प्रकार नामित और अधिकृत की गई हवाई कम्पनी सम्मत सेवाओं का परिचालन किसी भी समय आरम्भ कर सकती है बशर्ते कि अनुच्छेद X और XIII के उपबन्धों का पालन किया जा चुका हो ।

अनुच्छेद IV

प्रत्येक सविदाकारी पक्ष अपने पास यह अधिकार प्रारक्षित रखता है कि यदि दूसरे सविदाकारी पक्ष द्वारा नामित हवाई कम्पनी ने पहले पक्ष के कानूनों-नियमों का पालन न किया हो अथवा पहले पक्ष की समझ में उन शर्तों को पूरा नहीं किया गया हो जिनके अधीन प्रस्तुत करार के अनुसार अधिकार दिये गए हैं तो वह परिचालन-अधिकार को प्रतिसंहृत कर सकेगा या उस पर ऐसी उचित शर्तें लगा सकेगा जिन्हें वह आवश्यक समझे ।

यदि अनुच्छेद III के पैरा 4 के उपबन्धों का पालन न किया गया हो तब भी ऐसा ही किया जाएगा । जब तक कि नियमों, विनियमों अथवा प्रस्तुत क़रार के उपबन्धों के इससे और आगे अतिर्लघन को रोकने की दृष्टि से शर्तों का तुरन्त निर्लघन या लगाया जाना आवश्यक न समझा जाए तब तक इस प्रकार की कार्यवाही प्रस्तुत क़रार के अनुच्छेद XV के अनुसार सविदाकारी पक्षों के बीच परस्पर सलाह मशविरा कर के ही की जाएगी ।

अनुच्छेद V

कोई सविदाकारी पक्ष अपने भू-भाग में दूसरे सविदाकारी पक्ष द्वारा नामित हवाई कम्पनी द्वारा हवाई अड्डों तथा दूसरी विमानन-सुविधाओं के उपयोग के लिए उन प्रभारों से अधिक प्रभार न लेगा जो उसी प्रकार की अन्तर्राष्ट्रीय हवाई सेवाओं में लगी उसकी राष्ट्रीय हवाई कम्पनियों द्वारा चुकाए जाते हैं ।

अनुच्छेद VI

एक सविदाकारी पक्ष की नामित हवाई कम्पनी द्वारा दूसरे सविदाकारी पक्ष के भू-भाग में लाये गये ईंधन, स्नेहकतेल, फ़लतू पुर्जे, नियमित उपकरण तथा विमान सामग्री, जिनका कि प्रयोग एक मात्र उस सविदाकारी पक्ष की नामित हवाई कम्पनी के विमान द्वारा या में ही किया जाना है, पारस्परिक आधार पर सीमाशुल्क, निरीक्षण शुल्क तथा उसी प्रकार के अन्य राष्ट्रीय करों तथा प्रभारों से मुक्त होंगे ।

2. क़रार में निर्दिष्ट मार्गों एवं सेवाओं के परिचालन के लिए प्राधिकृत सविदाकारी पक्ष की नामित हवाई कम्पनी के विमान में प्रतिधारित ईंधन, स्नेहकतेल, फ़लतू पुर्जे, नियमित उपकरण तथा विमान सामग्री दूसरे सविदाकारी पक्ष के भू-भाग में विमान के पहुँचने अथवा वहाँ से प्रस्थान करने पर पारस्परिक आधार पर सीमाशुल्क, निरीक्षण शुल्क, तथा उसी प्रकार के अन्य राष्ट्रीय करों अथवा प्रभारों से मुक्त होंगे ।

3. एक सविदाकारी पक्ष के भू-भाग में दूसरे सविदाकारी पक्ष की नामित हवाई कम्पनी के विमान पर लिये गये ईंधन, स्नेहकतेल, फ़लतू पुर्जे,

नियमित उपकरण, तथा विमान सामग्री, जिनका प्रयोग अन्तर्राष्ट्रीय सेवाओं के लिए होगा, पारस्परिक आधार पर सीमाशुल्क, निरीक्षण शुल्क तथा उसी प्रकार के अन्य राष्ट्रीय करों अथवा प्रभारों से मुक्त होंगे ।

अनुच्छेद VII

प्रत्येक सविदाकारी पक्ष की नामित हवाई कम्पनी को दोनों पक्षों के भू-भागों के बीच और उनसे परे अन्तर्राष्ट्रीय यातायात के परिचालन के लिए इस करार के अनुबन्ध के अनुसार उचित और समान अधिकार प्राप्त होंगे ।

अनुच्छेद VIII

दोनों में से किसी भी सविदाकारी पक्ष की नामित हवाई कम्पनी की सम्मत हवाई सेवाओं के परिचालन में दूसरे पक्ष की नामित हवाई कम्पनी के हितों को ध्यान में रखा जाएगा ताकि दूसरा पक्ष उसी मार्ग के समस्त अथवा आंशिक मार्ग पर जो सेवारत सुलभ कराता है उन पर कोई अनुचित प्रभाव न पड़े ।

अनुच्छेद IX

फेरों की संख्या और हवाई सेवा का स्वरूप, अर्थात् वह दूसरे सविदाकारी पक्ष के भू-भाग से गुजरने वाली है अथवा वहाँ समाप्त होने वाली है इत्यादि बातों का निश्चय नामित हवाई कम्पनियों द्वारा अनुच्छेद VII और VIII में निर्दिष्ट सिद्धान्तों और इस अनुच्छेद के उपबन्धों के अनुसार किया जाएगा । इस प्रकार के निश्चय पर दोनों सविदाकारी पक्षों के वैमानिक प्राधिकारियों का अनुमोदन आवश्यक होगा ।

2. यदि किसी सविदाकारी पक्ष द्वारा नामित हवाई कम्पनी अपनी फेरों की संख्या में वृद्धि करना चाहे तो उसका निश्चय पहले नामित हवाई कम्पनियाँ आपस में कर लेंगी और इस पर वैमानिक प्राधिकारियों का अनुमोदन आवश्यक होगा । जब तक ऐसा अनुमोदन न हो जाए तब तक पहले से सम्मत फेरों की संख्या के अधिकार ही प्रभावी रहेंगे ।

3. इस अनुच्छेद के पैरा 1 और 2 के उपबन्धों के अधीन रहते हुए नामित हवाई कम्पनियाँ किसी भी प्रकार के विमानों द्वारा परिचालन कर सकती है चाहे उनकी धारिता कुछ भी हो ।
4. यदि किसी ऐसे विषय पर सविदाकारी पक्षों की नामित हवाई कम्पनियों की सहमति न हो पाए, जिस पर इस अनुच्छेद के उपबन्धों के अन्तर्गत उनकी सहमति आवश्यक हो, तो सविदाकारी पक्षों के वैमानिक प्राधिकारी उस पर सहमत होने का प्रयत्न करेंगे ।
5. फेरों की संख्या और हवाई सेवा का स्वरूप अर्थात् वह दूसरी सविदाकारी पक्ष के भू-भाग से गुजरने वाली है अथवा वहाँ समाप्त होने वाली है इत्यादि जिन बातों पर परस्पर निश्चय इस अनुच्छेद के उपबन्धों के अनुसार किया जाएगा उनका निर्देश सविदाकारी पक्षों के बीच होने वाले पत्र-निमित्त में किया जाएगा ।

अनुच्छेद X

प्रत्येक सविदाकारी पक्ष अपनी नामित हवाई कम्पनी से दूसरे सविदाकारी पक्ष के वैमानिक प्राधिकारियों को सेवा के प्रकार, उपयोग किए जाने वाले वायुयान के प्रकार, उड़ानों की अनुसूचियों, टैरिफ़ अनुसूचियों और सम्मत सेवाओं के परिचालन से सम्बन्धित अन्य सभी संगत सूचनाओं को जिनमें ऐसी सभी सूचनाएँ शामिल होंगी जो की वैमानिक प्राधिकारियों को इस बात की तसल्ली कराने के लिए आवश्यक हों कि प्रस्तुत क़रार की शर्तों का यथाचित पालन हो रहा है यथासम्भव जितना पहले हो सके भिजवाएगा । सम्मत सेवाओं से सम्बन्धित किसी भी परिवर्तन पर इस अनुच्छेद की शर्तें इसी प्रकार लागू होंगी ।

अनुच्छेद XI

प्रत्येक सविदाकारी पक्ष के वैमानिक प्राधिकारी दूसरे सविदाकारी पक्ष के वैमानिक प्राधिकारियों को अपनी हवाई सेवाओं द्वारा प्रत्येक मास में दूसरे सविदाकारी पक्ष के भू-भाग को या भू-भाग से या भू-भाग से होकर ले जाए गए यातायात सम्बन्धी आँकड़े भेजेगा जिनमें रवाना होने और पहुँचने के देशों तथा ऐसे यातायात के चढ़ने और उतरने के स्थानों से सम्बन्धित आँकड़े रहेंगे । ऐसे आँकड़े यथा सम्भव शीघ्र भेज दिए जाएंगे ।

अनुच्छेद XII

प्रत्येक सविदाकारी पक्ष दूसरे सविदाकारी पक्ष की नाभित हवाई कम्पनी को यह अधिकार देगा कि वह पहले सविदाकारी पक्ष के भू-भाग में अर्जित राशि में से खर्च के बाद बची हुई राशि को अपने मुख्य कार्यालय को भेज सके । किन्तु इस तरह के प्रेषण उस सविदाकारी पक्ष के विदेशी मुद्रा विनियमों के अनुसार किए जाएंगे जिसके भू-भाग में वह आय हुई है ।

अनुच्छेद XIII

टैरिफ अर्थात् किन्हीं भी सम्मत सेवाओं पर लिए जाने वाले किराये और दरें इस अनुच्छेद के निम्नलिखित उपबन्धों के अनुसार न्यायोचित स्तरों पर निर्धारित किए जाएंगे ।

2. इस अनुच्छेद के पैरा 1 में निर्दिष्ट टैरिफ, तथा एजेंसी कमीशन की दरें, सामूहिक संचलों के लिए छूट, निःशुल्क समान भत्ते एवं किफायती और प्रथम श्रेणी में यात्रियों के वाहन पर लागू होने वाली सेवा की शर्तें और माल तथा समान के वाहन से सम्बन्धित शर्तें, प्रत्येक विनिर्दिष्ट मार्ग के सम्बन्ध में होंगी जो अन्तर्राष्ट्रीय विमान परिवहन संस्था की दर निर्धारक अभिकरण द्वारा निर्धारित की जाएंगी । ऐसे टैरिफ तथा शर्तें दोनों सविदाकारी पक्षों के वैमानिक प्राधिकारियों की सहमति के सापेक्ष होंगी ।

3. यदि किसी कारण से कोई टैरिफ अथवा सेवा की शर्त इस अनुच्छेद के पैरा 2 के उपबन्धों के अनुसार निर्धारित नहीं की जा सकती तो सविदाकारी पक्षों के वैमानिक प्राधिकारी आपस में समझौते द्वारा इस टैरिफ अथवा सेवा की शर्त को निर्धारित करने का प्रयत्न करेंगे ।

4. यदि वैमानिक प्राधिकारी इस अनुच्छेद के पैरा 2 के अन्तर्गत उन्हें प्रस्तुत किए गए किसी टैरिफ अथवा सेवा की शर्त के अनुमोदन पर अथवा पैरा 3 के अन्तर्गत किसी टैरिफ के निर्धारण पर सहमत नहीं हो पाते, तो मामले को वर्तमान करार के अनुच्छेद XVI के उपबन्धों के अनुसार निपटाने के लिए सविदाकारी पक्षों को निर्दिष्ट कर दिया जाएगा ।

5. टैरिफ अथवा सेवा की शर्त के इस अनुच्छेद के उपबन्धों के अनुसार तय किए जाने तक पहले से ही लागू टैरिफ अथवा सेवा की शर्त चालू रहेंगे ।

अनुच्छेद XIV

परस्पर घनिष्ठ सहयोग की भावना से, दोनों सविदाकारी पक्षों के वैमानिक प्राधिकारी प्रस्तुत क़रार की प्रयोज्यता तथा अर्थनिर्वचन के सम्बन्ध में नियमित रूप से विचारों का आदान-प्रदान करते रहेंगे ।

अनुच्छेद XV

दोनों में से कोई भी सविदाकारी पक्ष वर्तमान क़रार में कोई संशोधन करवाने के उद्देश्य से विचार-विमर्श का अनुरोध कर सकता है । यदि दोनों में कोई भी सविदाकारी पक्ष यह समझे कि अनुच्छेद XIV के आशय के अनुसार विचार-विनिमय में सफलता नहीं मिली तो वर्तमान क़रार के अर्थनिर्वचन या उसे लागू करने से सम्बन्धित मामलों पर भी विचार विमर्श का अनुरोध किया जा सकता है । इस प्रकार का विचार-विमर्श अनुरोध की तारीख से 60 दिन के भीतर आरम्भ कर दिया जाएगा । इस प्रकार के विचार-विमर्श के परिणामस्वरूप प्रस्तुत क़रार में किया गया परिवर्तन तभी प्रभावी होगा जब कि आवश्यक संगत सविधानिक कार्रवाइयाँ पूरी हो जाएँ और जब राजनयिक पत्रों के विनिमय द्वारा उसकी पुष्टि कर दी जाए ।

अनुच्छेद XVI

यदि सविदाकारी पक्षों के बीच प्रस्तुत क़रार के अर्थनिर्वचन और लागू किए जाने के सम्बन्ध में कोई भी विवाद उत्पन्न हो तो पहले दोनों पक्ष परस्पर वार्ता के द्वारा उसका फैसला करने का प्रयत्न करेंगे ।

2. यदि सविदाकारी पक्ष औपचारिक अधिसूचना की तारीख के नव्वे (90) दिन के भीतर किसी भी सविदाकारी पक्ष द्वारा प्रस्तुत किए गए विवाद का परस्पर वार्ता द्वारा समझौता करने में असमर्थ रहते हैं तो वे परस्पर सहमति से विवाद को निर्णय के लिए किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को निर्दिष्ट कर सकते हैं; परन्तु यदि वे इसके लिए सहमत न हों तो दोनों में से किसी भी सविदाकारी पक्ष के अनुरोध पर विवाद निर्णय के लिए तीन विवाचकों के एक न्यायाधिकरण को सौंप दिया जाएगा, जिन में से एक एक विवाचक का नामांकन सविदाकारी पक्षों द्वारा किया जाएगा तथा

तीसरा विवाचक इन दोनों विवाचकों द्वारा स्वयं नियुक्त किया जाएगा । दोनों संविदाकारी पक्षों में से किसी एक को दूसरे की ओर से विवाद का उक्त प्रकार के न्यायाधिकरण द्वारा विवाचन की मांग का राजनयिक माध्यम से नोटिस प्राप्त होने की तारीख से साठ (60) दिन के भीतर प्रत्येक पक्ष अपने अपने विवाचक को नामजुद कर देगा और तीसरा विवाचक इसके बाद अगले साठ (60) दिनों के भीतर नियुक्त किया जाएगा । यदि संविदाकारी पक्षों में से कोई भी निर्दिष्ट अवधि के भीतर अपने विवाचक का नामांकन नहीं कर पाता अथवा तीसरे विवाचक की निर्दिष्ट अवधि के भीतर नियुक्ति नहीं की जाती तो कोई भी संविदाकारी पक्ष अन्तर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन के अध्यक्ष से विवाचक अथवा विवाचकों, जैसा भी अपेक्षित हो, की नियुक्ति का अनुरोध कर सकता है । इस परिस्थिति में तीसरा विवाचक दोनों संविदाकारी पक्षों में से किसी का भी राष्ट्रक नहीं होगा तथा वह विवाचकीय न्यायाधिकरण के अध्यक्ष के रूप में कार्य करेगा ।

3. संविदाकारी पक्ष इस अनुच्छेद के पैरा 2 के अधीन किए गए निर्णय का पालन करेंगे ।

अनुच्छेद XVII

अभिसमय के उपबन्ध जहां तक कि वे प्रस्तुत करार के अन्तर्गत स्थापित की गयी हवाई सेवाओं के बारे में लागू होते हैं, अपने वर्तमान रूप में संविदाकारी पक्षों के बीच करार की अवधि में करार के अभिन्न अंग के रूप में तब तक लागू रहेंगे जब तक कि दोनों संविदाकारी पक्ष अभिसमय के किसी ऐसे संशोधन का अनुसमर्थन न कर दें जो विधिवत् लागू कर दिया गया हो और तब ऐसी स्थिति में अभिसमय अपने संशोधित रूप में प्रस्तुत करार की अवधि में लागू रहेगा ।

अनुच्छेद XVIII

प्रस्तुत करार का अनुबन्ध करार का ही अंश माना जाएगा और सिवाय उस स्थिति के जितने अन्यथा स्पष्टतः उपबन्धित कर लिया गया हो करार के सम्बन्ध में जो भी उल्लेख किए जाएंगे उनमें अनुबन्ध का उल्लेख भी सम्मिलित होगा ।

2. प्रस्तुत करार का अनुसमर्थन आवश्यक होगा और अनुसमर्थन-लिखितों का विनिमय यथाशीघ्र किया जाएगा ।
3. प्रस्तुत करार अनुसमर्थन-लिखितों के विनिमय की तारीख से लागू होगा ।

अनुच्छेद XIX

कोई भी सविदाकारी पक्ष दूसरे पक्ष को किसी भी समय यह लिखित नोटिस दे सकता है कि वह वर्तमान करार को समाप्त करना चाहता है । इस प्रकार का नोटिस साथ ही साथ अन्तर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन को भेजा जाएगा । यदि इस प्रकार का नोटिस दिया जाए तो करार को समाप्त करने का नोटिस जिस तारीख को दूसरे सविदाकारी पक्ष को प्राप्त हो उसके बारह महीने बाद वर्तमान करार समाप्त हो जाएगा । किन्तु, यदि इस अवधि के समाप्त होने से पहले ही परस्पर सहमति से नोटिस वापस ले लिया जाए, तो यह करार समाप्त नहीं होगा । यदि दूसरे सविदाकारी पक्ष से प्राप्ति-सूचना न मिले, तो अन्तर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन को यह नोटिस मिलने के चौदह दिनों बाद वह उस पक्ष को मिल गया मान लिया जाएगा ।

आज दिनांक २६ अप्रैल १९६३ को जहाँ

में छः मूल प्रतियों पर, जिनमें हिन्दी, अरबी और अंग्रेजी भाषाओं में से प्रत्येक की दो - दो प्रतियाँ हैं और जो तीनों पाठ समान रूप से प्रमाणिक हैं, हस्ताक्षर किए गए । यदि अर्थ-निर्वचन के सम्बन्ध में कोई मतभेद हो तो अंग्रेजी पाठ ही प्रमाणिक माने जाएंगे ।

कृते भारत सरकार



कृते सऊदी अरब राज्य की सरकार





अनुबन्ध

खण्ड I

भारत सरकार द्वारा नामित हवाई कम्पनी को इस खण्ड में निर्दिष्ट मार्गों पर प्रत्येक दिशा में हवाई सेवाएँ परिचालित करने और इस खण्ड में बताएँ गये सऊदी अरब राज्य के भू-भाग के स्थलों पर यातायात प्रयोजनों के लिए उतरने का अधिकार होगा :-

- (क) भारत, दुबाई, गल्फ में एयर इंडिया की स्विच का एक स्थान, दहरान और उससे परे मध्य पूर्व में एक स्थान, कान्टीनेन्टल यूरोप में दो स्थान, लन्दन तथा न्यू यार्क ।
- (ख) भारत, दुबाई, गल्फ में एयर इंडिया की स्विच का एक स्थान, जेद्दा और उससे परे पूर्वी अफ्रीका में स्थान और आगे ।

टिप्पणी: - सऊदी अरब सरकार की नीति के अनुसार भारत द्वारा नामित हवाई कम्पनी को अरबलीग राज्य के अन्तर्गत आने वाले किन्हीं भी स्थानों के मध्य यातायात सम्बन्धी अधिकारों के प्रयोग का अधिकार न होगा यदि उस सेक्टर पर सऊदी अरब एयरलाईन द्वारा परिचालन किया जा रहा हो ।

खण्ड II

सऊदी अरब राज्य की सरकार द्वारा नामित हवाई कम्पनी को इस खण्ड में निर्दिष्ट मार्गों पर प्रत्येक दिशा में हवाई सेवाएँ परिचालित करने और इस खण्ड में बताएँ गए भारत के भू-भाग के स्थलों पर यातायात प्रयोजनों के लिए उतरने का अधिकार होगा :-

- (क) सऊदी अरब, दुबाई, कराची से बम्बई और उससे परे बैकाक, मनीला और टोकियो ।
- (ख) सऊदी अरब, दुबाई, कराची से बम्बई और उससे परे कोलम्बो, कुआला-लम्पुर और जकार्ता ।

खण्ड III

- (क) एक मार्ग पर निर्दिष्ट स्थान दूसरे मार्ग पर प्रयुक्त नहीं होंगे ।
- (ख) निर्दिष्ट मार्गों पर कोई भी स्थान यदि नामित हवाई कम्पनी चाहे तो किसी भी या सभी उड़ानों में छोड़ सकती है ।

...

اتفاق فيما بين حكومة المملكة العربية السعودية وحكومة
الهند للخدمات الجوية بين بلديهما وفيما ورائتهما

ان حكومة المملكة العربية السعودية وحكومة الهند المتساويتان هما هنا فيما يلي .
بالطيران المتعاقدان .
وكونهما اعضاء في اتفاقية الطيران المدني الدولية المفتوح للتوقيع عليها في شيكاغو في اليوم السابع
من شهر ديسمبر ١٩٤٤م .
ورغبة منهما في الدخول في اتفاق لغرض تشغيل خدمات جوية بين بلديهما المعتمدين وفيما ورائتهما
قد اتفقا على ما يلي . . .
المادة الاولى .

فيما يتعلق بهذا الاتفاق الا ما نص عليه بخلاف ذلك فان .
أ) عبارة (الاتفاقية) تعني اتفاقية الطيران المدني الدولية المفتوح للتوقيع عليها بشيكاغو في اليوم
السابع من شهر ديسمبر ١٩٤٤م . والمشتعلة على الملاحق الموضوعة طبقا للمادتين (١٠/١٤٤) .
ب) عبارة (سلطات الطيران) تعني بالنسبة للهند المدير العام للطيران المدني كما تعني بالنسبة
للمملكة العربية السعودية مدبر عام الطيران المدني او اى شخص او سلطة مخول بها تأدية اى
من الواجبات التى يارسها حاليا المدبرين العاملين المذكورين اعلاه .
ج) عبارة (مؤسسة الطيران المعنية) تعنى مؤسسة الطيران التى يتم تعيينها كتابيا بواسطة سلطة
الطيران لأحد الطرفين المتعاقدين لسلطة الطيران للطرف المتعاقد الآخر بموجب المادتين الثالثة
من هذا الاتفاق .

د) عبارة (الاتفاق) او الخدمة الجوية) والخدمات الجوية الدولية) (التعرف لغير افراض النقل)
تعنى نفس المعنى المنصوص عليه في المادتين (٢ و ١٦) من الاتفاقية .
المادة الثانية

١- يفتح اى من الطرفين المتعاقدين للطرف المتعاقد الآخر الحقوق الموضحة في هذا الاتفاق
لغرض انشاء خدمات جوية على الطرق المحددة فى ملحق الاتفاق (والمشار اليها فيما يلى)
بالخدمات المتفق عليها . والخطوط المحددة ان الخدمات المتفق عليها فى الامكان تسيروها
فى اى وقت بعد التمشى بموجب شروط المادة الثالثة (٣) .
٢- بموجب شروط هذا الاتفاق فان مؤسسة الطيران المعنية من قبل اى من الطرفين المتعاقدين
ستتمتع بالحقوق التالية .

- أ) الطيران عبر اقليم الطرف المتعاقد الآخر بدون هبوط .
- ب) الهبوط فى اقليم الطرف المتعاقد الآخر لغير افراض النقل .

(ج) في حالة تشغيل الخدمات المتفق عليها بالطرق المحددة تباشر الطائرات الهبوط في اقليم الطرف المتعاقد الآخر في النقاط المحددة في جدول الطرق الموضحة في ملحق هذا الاتفاق لغرض اخذ وانزال الحركة الدولية للركاب والشحنات والبريد الذين يكون منشأهم اقليم الطرف المتعاقد الاول او الى بلد ثالث .

٣- ليس في الفقرة (٢) من هذه المادة ما يفسر بأنه يعطى لمؤسسة الطيران التابعة لاحد الطرفين المتعاقدين الحق في أخذ الركاب والشحنات أو البريد من اقليم الطرف المتعاقد الاخر لتقلهم الى نقطة اخرى في اقليم ذلك الطرف المتعاقد الاخر .

ان القوانين والانظمة لاحد الطرفين المتعاقدين والمتعلقة بالدخول الى او المغادرة من الاقليم التابعة له الطائرة او الخدمات الجوية العاملة على الملاحة الجوية الدولية او بتشغيل تلك الطائرات او الخدمات الجوية في داخل الاقليم العائدة له سوف تطبق على الطائرات والخدمات المتفق عليها العائدة لمؤسسة الطيران المعنية من قبل الطرف المتعاقد الاخر .

المادة الثالثة

١- يحق لكل من الطرفين المتعاقدين ان يعين كتابيا للطرف المتعاقد الاخر مؤسسة طيران واحدة لغرض تشغيل الخدمات المتفق عليها بموجب جدول الطرق .

٢- عند استلام اشعار التعيين فأن الطرف المتعاقد وبواسطة سلطات الطيران التابعة له بموجب شروط الفقرة (٣ و٤) من هذه المادة يمنع بدون ابطاء لمؤسسة الطيران المعنية التصريح المناسب للتشغيل .

٣- يمكن لسلطة الطيران لاحد الطرفين المتعاقدين ان تطلب من مؤسسة الطيران المعنية من قبل الطرف المتعاقد الاخر باقتناعها بأنه تتوفر لديها الكفاءة للتمشي بموجب القوانين والانظمة المطبقة عادة من قبلها فيما يتعلق بتشغيل الناقلات الجوية والخدمات الجوية الدولية التجارية .

٤- يحق لاي من الطرفين المتعاقدين عدم قبول التعيين لمؤسسة الطيران او ان يمنع الحقوق الممنوحة لها الموضحة في الفقرة (٢) من المادة الثانية من هذا الاتفاق او يفرض شروط يراها ضرورية على مؤسسة الطيران لتلك الحقوق وذلك في حالة عدم اقتناعه بأن جزءا هاما من ملكية او الاشراف الفعلي لتلك المؤسسة تخضع للطرف المتعاقد الاخر او في يد رعاياه والمقصود في تفسير الفقرة هو ان الملكية الاساسية والاشراف الفعلي في اي حال من الاحوال فيما اذا باشرت المؤسسة المعنية خدماتها بموجب هذا الاتفاق عن طريق الدخول في اتفاقية مع شركة طيران لاي بلد آخر ومع حكومة اي بلد آخر او مع مواطنيه سوف لن يعتبر الجانب المتعاقد معين مؤسسة الطيران او مواطنيه بشأن يكونوا حائزين على الملكية الاساسية او الاشراف الفعلي على المؤسسة المعنية حتى يملك ذلك الطرف المتعاقد او مواطنيه جزءا هاما من ملكية مؤسسة الطيران المعنية .

١- الاشراف الفعلي على ادارة مؤسسة الطيران المعنية .

٢- الملكية الاساسية والمراقبة الفعلية لمعظم الاسطول الجوى من الطائرات والمعدات المستخدمة

فى عمليات الخدمات .

٣- ان مؤسسة الطيران التى يتم تعيينها ويصح لها يمكن ان تبدأ بتشغيل الخدمات المتفق عليها

فى أى وقت شريطة تطبيق بنود المادتين العاشرة والثالثة عشر .

المادة الرابعة

يحتفظ كل من الطرفين المتعاقدين لنفسهما بحق سحب تصريح التشغيل او فرض الشروط المناسبة التى قد يراها ضرورية فى حالة اخفاق مؤسسة الطيران المعنية بالتمشى بالقوانين والانظمة العائدة للطرف الاول . وفى حالة ما اذا رأى الجانب الاول ان اخفاقا ما بالتقيد بالشروط التى تم بموجبها منح الحقوق تمشيا مع الاتفاق الحالى كما ينطبق ذلك فيما اذا لم يتم التقيد بشروط الفقرة (٤) من المادة الثالثة والتمشى بموجبها ، ولن يتم هذا الاجراء الا بعد المشاورات فيما بين الطرفين المتعاقدين وكذلك بموجب المادة الرابعة عشر من هذا الاتفاق الا اذا اقتضى اتخاذ اجراء فوري لايقاف العمليات او فرض شروط تكون ضرورية لتجنب مزيد من المخالفات للقوانين والانظمة او النصوص الخاصة بهذا الاتفاق .

المادة الخامسة

ان الاجور المفروضة فى اقليم احد الطرفين المتعاقدين لغرض استعمال المطارات والتسهيلات الجوية الاخرى من قبل الطائرات العائدة لمؤسسة الطيران المعنية التابعة للطرف المتعاقد الاخر سوف لن تكون اكثر من الرسوم التى تدفعها طائرات مؤسسات الطيران الوطنية العاملة بالخدمات الجوية الدولية

المماثلة .

المادة السادسة

١/ الوقود وزيوت التشحيم وقطع الغيار والمعدات الاعتيادية ومون الطائرات المدخلة الى اقليم احد الطرفين المتعاقدين بواسطة مؤسسة الطيران المعنية العائدة للطرف المتعاقد الاخر والغرض من استعمالها فقط على متن الطائرات العائدة لمؤسسة الطيران المعنية فعلى الطرف المتعاقد ان يعفيها جميعا وعلى اساس المعاملة بالمثل من رسوم الجمارك ورسوم التفتيش والضرائب الوطنية الاخرى والرسوم المماثلة .

٢/ الوقود وزيوت التشحيم وقطع الغيار والمعدات الاعتيادية ومون الطائرات التى تبقى على متن الطائرات العائدة لمؤسسة الطيران المعنية من قبل احد الطرفين المتعاقدين والمصرح لها بتشغيل الطرق والخدمات حسب شروط الاتفاق وعند وصولها الى او مغادرتها اقليم الطرف الاخر يتم اعفاؤها وبنسبة ١٤ على اساس المعاملة بالمثل من الضرائب الجمركية ورسوم التفتيش والضرائب الوطنية الاخرى والرسوم المماثلة .

٣/ الوقود وزيوت التشحيم وقطع الغيار والمعدات الاعتيادية ومون الطائرات التى تزود للطائرات العائدة

لمؤسسة الطيران المعنية من قبل احد الطرفين المتعاقدين في اقليم الطرف المتعاقد الاخر
والمستعملة في الخدمات الدولية تعفى . وبناءً على اساس المعاملة بالمثل من الضرائب الوطنية -
الاخرى والرسم المماثلة .

المادة السابعة

تتمتع مؤسسة الطيران المعنية من قبل اى من الطرفين المتعاقدين بفرض عادلة ومتساوية لنقل الحركة
الدولية فيما بين اقليى الطرفين المتعاقدين وفيما وراءهما وذلك بموجب ملحق هذه الاتفاقية .

المادة الثامنة

لدى قيام مؤسسة الطيران المعنية من قبل أى من الطرفين المتعاقدين بتشغيل الخدمات المتفق
عليها فان عليها ان تأخذ بعين الاعتبار مصالح مؤسسة الطيران المعنية من قبل الطرف المتعاقد الاخر
بحيث لا تؤثر على الخدمات التى تقدمها الاخيرة على كافة الطريق او جزء منه .

المادة التاسعة

١/ عدد الرحلات المراد تشغيلها وطبيعة الخدمات التى ستقدمها مؤسسة الطيران لدى عبورها باقليم
اى من الطرفين المتعاقدين او انهاء تلك الرحلات فيه يتم الاتفاق عليها فيما بين مؤسستى الطيران
المعينة وذلك بموجب الاصول المقررة فى المادتين السابعة والثامنة وحسب شروط هذه المادة وسيكون
الاتفاق الذى تتوصل اليه مؤسسة الطيران خاضع لموافقة سلطات الطيران لكلا الطرفين المتعاقدين .

٢/ اى زيادة فى عدد الرحلات للخدمات المراد تشغيلها بواسطة مؤسسة الطيران المعنية من قبل اى من
الطرفين المتعاقدين يتم الاتفاق عليها فى بادئ الامر بين مؤسستى الطيران وتكون خاضعة لموافقة
سلطات الطيران ولحين صدور تلك الموافقة فان الرحلات المخول لها سابقا ستبقى كما هى .

٣/ بموجب شروط الفقرتين واحد واثنين من هذه المادة فانه يمكن لمؤسستى الطيران المعنية بتشغيل أى
نوع من الطائرات بصرف النظر عن سعتها .

٤/ فيما اذا فشلت مؤسسة الطيران المعينتين من قبل الطرفين المتعاقدين على الاتفاق على أى من
الامور التى من المطلوب الاتفاق عليها بموجب شروط هذه المادة فان سلطات الطيران العائدة
للطرفين المتعاقدين تسعى للتوصل الى اتفاق على ذلك .

٥/ عدد الرحلات المراد تسييرها وطبيعة الخدمات الجوية التى تعبر اقليم اى من الطرفين او تنتهى
فيهما والذى يتفق عليها بموجب شروط هذه المادة فانه يتم تعيينها بتبادل خطابات بين سلطات
طيران الطرفين المتعاقدين .

المادة العاشرة

يتولى كل من الطرفين المتعاقدين بتعميد مؤسسة الطيران المعنية العائدة له بان تبلغ سلطات
الطيران العائدة للطرف المتعاقد الاخر بوقت عملى كاف وذلك قبل البدء بالخدمات المتفق عليها بموافاتها

بنوع الخدمة ونوع الطائرات التي سيتم استعمالها وبرنامج الرحلات وبيان الاجور وكافة المعلومات المتعلقة الاخرى المتعلقة بعمليات الخدمات المتفق عليها بما في ذلك تلك المعلومات التي تكون مطلوبة لافساح سلطات الطيران بأن شروط متطلبات هذا الاتفاق قد تم التقييد بها بما في ذلك متطلبات هذه الماندة ليتم تطبيقها على اى تغييرات تتعلق بالخدمات المتفق عليها .

المسادة الحادية عشر

تتولى مؤسسات الطيران الحائذة لكلا الطرفين المتعاقد بين تزويد سلطات الطيران الحائذة للطرف المتعاقد الاخر بالبيانات الاحصائية المتعلقة بالحركة المنقولة شهريا على حد ما تبينها الجوية من والى اقليم الطرف المتعاقد الاخر موضحا المنشا والجهة المقصودة من البلدان ونقاط القدرم والمخازنة وغيرها تلك الحركة على ان يتم تقديم البيانات الاحصائية في اقرب فورية ممكنة .

المسادة الثانية عشر

يمنح كل من الطرفين المتعاقد بين المؤسسة الطيران من قبل الطرف المتعاقد الاخر حق التحويل السن مقروها الرئيسى الفاعل من داخلها المستحصل في اقليم الطرف المتعاقد الاول ولى اى حال فان اجراءات التحويل تلك ستكون بموجب نظام تبادل النقد الاجنبي في اقليم ذلك الطرف المتعاقد الذي استحصل فيه النقد .

المسادة الثالثة عشر

١/ التعرفه والاجور والنفقات التي يتم فرضها على الخدمات المتفق عليها يجب تحديدها على مستويسات معقولة وذلك بموجب الشروط التالية لهذه الماندة .

٢/ ان الاجور المشار اليها في الفقرة (١) من هذه الماندة بالاضافة الى عمولة الوكيل والتخفيضات للنقل الجماعى . وتحديده المفاضل المغانى المسموح نقله للمسافر وكذلك الشروط الخاصة بالخدمات المطبقة لنقل الركاب بالدرجة الاولى والدرجة السياحية كذلك الشروط المتعلقة بنقل الشحانات والمغشى فيها يخص اى من الخطوط المحددة يتم التوصل اليها بواسطة الجهاز الخاص بهيئة اتحاد النقل الجوى الدولى وان تلك الاجور والشروط ستكون خاضعة لموافقة سلطات الطيران لكل من الطرفين المتعاقد بين ولاى سبب مالم يتم تحديده الاجوره والشروط للخدمات بموجب نصوص الفقرة (٢) من هذه الماندة فعلى سلطات الطيران للطرفين المتعاقد بين ان تحاولا تحديده الاجور وشروط الخدمات بالاتفاق فيما بينهما .

٤/ ان لم تتوصل سلطات الطيران على اتفاق بالموافقة على اى من الاجور والشروط للخدمات المقدمة لها بموجب نصوص الفقرة (٢) فان الموضوع يتم احالته الى الطرفين المتعاقد بين لحله بموجب شروط الماندة - المسادة عشرة من هذا الاتفاق .

٥/ ولحين تحديده اجور او شروط الخدمات بموجب نصوص هذه الماندة فان الاجور والشروط الموضوعه سابقا تبقى سارية المفعول .

المادة الرابعة عشر

بروح التعاون الوثيق فان سلطات الطيران التابعة للطرفين المتعاقدين تتبادل بصفة منتظمة الاراء فيما بينهما على تطبيق وتفسير الاتفاق الحالي .

المادة الخامسة عشر

يمكن وفي أى وقت أن يطلب أى من الطرفين المتعاقدين اجراء مشاورات لغرض ادخال اى تعديل على هذا الاتفاق كما يمكن طلب اجراء المشاورات فى الامور المتعلقة بتفسير او تطبيق هذا الاتفاق وفى حالة اعتبار اى من الطرفين المتعاقدين بأن تبادل وجهات النظر ضمن مفهوم المادة الرابعة عشر كانت غير ناجحة فانه يمكن ان تبدأ مثل هذه المشاورات فى فترة ستين يوماً من تاريخ الطلب . وأى تعديل على هذا الاتفاق كنتيجة لهذه المشاورات سيعتبر نافذ المفعول بعد استيفاء المتطلبات النظامية الخاصة به وبعد تأكيد بتبادل مذكرات دبلوماسية .

المادة السادسة عشر

١/ أى اختلاف ينشأ بين الطرفين المتعاقدين فيما يتعلق بتفسير او تطبيق هذا الاتفاق فان على الطرفين المتعاقدين حله بالدرجة الاولى بمشاورات فيما بينهما .

٢/ اذا لم يتوصلا الطرفان المتعاقدان الى تسوية الخلاف بالمشاورات فى غضون التسعين يوماً (٩٠) اعتباراً من تاريخ استلام الاشعار الرسمى للخلاف من قبل اى من الطرفين المتعاقدين فانه يمكنهما الاتفاق على احالة الخلاف الى اشخاص او هيئة للبت فيه واذا اخفقتا بالتوصل الى الاتفاق بذلك فان الخلاف حينئذ و بناءً على طلب اى من الطرفين المتعاقدين يجرى احالته الى هيئة تحكيم مكونة من ثلاثة محكمين يعين كل طرف متعاقد محكماً واحداً ويتم تعيين المحكم الثالث من قبل المحكمين اللذين تم تعيينهما وعلى الطرفين المتعاقدين ان يعينا محكيميها خلال فترة الستين يوماً (٦٠) اللاحقة و اذا اخفق اى من الطرفين المتعاقدين فى تعيين محكيميها خلال الفترة المحددة . او اذا لم يتم تعيين المحكم الثالث خلال الفترة المحددة فانه يمكن لرئيس مجلس منظمة الطيران المدنى الدولية تعيين محكم او محكمين حسبما تتطلبه القضية وفى مثل هذه الحالة فان المحكم الثالث لن يكون من مواطنى اى من الطرفين المتعاقدين ولا سيقتلر رئيساً لهيئة التحكيم .

٣/ يخضع الطرفان المتعاقدان لاي قرار يتخذ بموجب الفقرة (٢) من هذه المادة .

المادة السابعة عشر

فى حدود تطبيق الخدمات الجوية التى يتم انشاؤها بموجب هذا الاتفاق ستبقى الاتفاقية سارية المفعول فى شكلها الحالى من قبل الطرفين المتعاقدين لتشكّل جزءاً لا يتجزأ من هذه الاتفاقية الا اذا قام الطرفان المتعاقدان بتصديق اى تعديل يطرأ على تلك الاتفاقية والذي يكون نافذ المفعول فى حينه وفى مثل هذه الحالة ستكون الاتفاقية سارية المفعول فى شكلها المعدل لغاية فترة هذا الاتفاق .

المادة الثامنة عشر

- ١/ يعتبر الملحق المرفق بهذا الاتفاق جزءاً من وكافة الاشارات الى الاتفاق تشمل الاشارة الى الملحق الا فيما نص عليه صراحة بخلاف ذلك .
- ٢/ ان هذا الاتفاق يكون خاضعاً للتصديق عليه ويتم تبادل هذا التصديق عليه في اقرب فرصة ممكنة .
- ٣/ يكون هذا الاتفاق نافذ المفعول يوم يتم فيه تبادل وثائق التصديق .

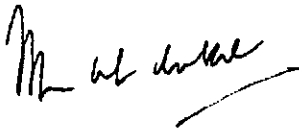
المادة التاسعة عشر

يجوز لاي من الطرفين المتعاقدين في أي وقت ان يشعر الطرف الاخر بمذكرة كتابية رغبته في انتهاء هذا الاتفاق وان مثل هذا الاشعار يرسل في نفس الوقت الى منظمة الطيران المدني الدولية . واذا تم اصدار هذا الاشعار يرسل فان هذا الاتفاق ينتهي بعد مضي اثني عشر شهراً على تاريخ استلام الطرف المتعاقد الاخر للاشعار الا اذا تم سحب ذلك الاشعار الخامس بانتهاء الاتفاق بالتراخي قبل نهاية المدة . وفي حالة عدم تأييد استلام الاشعار من قبل الطرف المتعاقد الاخر فان الاشعار يعتبر قد تم استلامه بعد اربعة عشر (١٤) يوماً من تاريخ استلام منظمة الطيران المدني الدولية للاشعار .

حرر في جدة في اليوم السادس والعشرين من شهر ابريل عام ١٩٧٣ م .

من ستة نسخ اصلية اثنتان باللغة العربية واثنتان باللغة الهندوسية واثنتان باللغة الانجليزية وكل الثلاث نصوص تعتبر قانونية الا في حالة الاختلاف على تفسير الاتفاق فان النص الانجليزي هو المتسـد .

عن حكومة الجمهورية الهندية



عن حكومة المملكة العربية السعودية



الملحق

القسم الأول

ان مؤسسة الطيران المعنية من قبل الحكومة الهندية يخول لها تشغيل الخدمات الجوية في كلا الاتجاهين على الطرق المحددة في هذا القسم ولها ان تهبط طائراتها لغرض النقل في اقليم المملكة العربية السعودية في النقاط المحددة التالية : -

أ / الهند • دبي • نقطة في الخليج حسب رغبة الخطوط الجوية الهندية ثم الظهران وفيما ورائها الى نقطة في الشرق الاوسط ونقطتين في القارة الاوربية • لندن ونيويورك •
ب / الهند • دبي • نقطة في الخليج حسب رغبة الخطوط الجوية الهندية الى جدة وفيما ورائها الى نقاط في شرق افريقيا وما ورائها •

ملاحظة :

حسب سياسة حكومة المملكة العربية السعودية لا يسمح بممارسة حق النقل لمؤسسة الطيران المعنية من الهنديين نقاط في اقليم جامعة الدول العربية الا اذا كانت مؤسسة الخطوط الجوية العربية السعودية لا تسيّر رحلات على نفس الطريق •

القسم الثاني

ان مؤسسة الطيران المعنية من قبل حكومة المملكة العربية السعودية لا يخول لها تشغيل الخدمات الجوية في كلا الاتجاهين على الطرق المحددة في هذا القسم ولها ان تهبط طائراتها لغرض النقل في اقليم الهند في النقاط المحددة التالية : -

أ / المملكة العربية السعودية • دبي • كراتشي • الى بومبي وفيما ورائها بانكوك • مانايلا وطوكيو •
ب / المملكة العربية السعودية • دبي • كراتشي • الى بومبي وفيما ورائها الى كولمبو • كوالا لمبور و جاكرتا •

القسم الثالث

أ / النقاط المحددة في احد الطرق لن يتم استخدامها على الطرق الاخرى •
ب / النقاط المحددة الى أي من الطرق يمكن الغائها على أي من أو كافة الرحلات حسب رغبة مؤسسة الطيران المعنية •

AGREEMENT BETWEEN THE GOVERNMENT OF INDIA AND
THE GOVERNMENT OF THE KINGDOM OF SAUDI ARABIA
FOR AIR SERVICES BETWEEN AND BEYOND THEIR
RESPECTIVE TERRITORIES

The Government of India and the Government of the Kingdom of Saudi Arabia, hereinafter referred to as the "Contracting Parties",

Being parties to the Convention on International Civil Aviation opened for signature at Chicago on the Seventh day of December 1944, and

Desiring to conclude an agreement for the operation of air services between and beyond their respective territories,

Have agreed as follows:

ARTICLE I

For the purpose of the present Agreement, unless the context otherwise requires:

- (a) the term "the convention" means the Convention on International Civil Aviation opened for signature at Chicago on the Seventh day of December 1944 and includes any Annex adopted under Article 90 of that Convention and any amendment of the Annexes or Convention under Article 90 or 94 thereof;
- (b) the term "aeronautical authorities" shall mean, in the case of India, the

Director General of Civil Aviation and in the case of the Government of the Kingdom of Saudi Arabia, Director General of Civil Aviation or any person or body authorised to perform the functions presently exercised by the said Directors General;

- (c) the term "designated airline" shall mean an airline which the aeronautical authorities of one Contracting Party shall have designated in writing to the aeronautical authorities of the other Contracting Party, in accordance with Article III of the present Agreement;
- (d) the terms "territory", "air service", "international air service" and "stop for non-traffic purposes" shall have the meanings respectively assigned to them in Article 2 and 96 of the Convention.

ARTICLE II

Each Contracting Party grants to the other Party the rights specified in the present Agreement for the purpose of establishing air services on the route specified in the Annex thereto (hereinafter called "the agreed services" and "the specified routes"). The agreed services may be inaugurated at

any time after the provisions of Article III have been complied with.

2. Subject to the provisions of the present Agreement, the airline designated by each Contracting Party shall enjoy the following rights:

- (a) to fly without landing across the territory of the other Contracting Party,
- (b) to make stops in the territory of the other Contracting Party for non-traffic purposes, and
- (c) while operating an agreed service on a specified route, to make stops in the territory of the other Contracting Party at the point specified for that route in the Annex to the present Agreement, for the purpose of putting down or taking on international traffic in passengers, cargo and mail, originating in or destined for the territory of the first Contracting Party or of a third country.

3. Nothing in paragraph 2 of this Article shall be deemed to confer on the airline of one Contracting Party the privilege of taking on, in the territory of the other Contracting Party, passengers, cargo or mail destined for another point in the territory of that other Contracting Party.

The laws and regulations of one Contracting Party, relating to entry into or departure from its territory, of aircraft or air services operated in international air navigation or to the operation of such aircraft or air services while within its territory shall apply to aircraft and agreed services of the designated airlines of the other Contracting Party.

ARTICLE III

Each Contracting Party shall have the right to designate in writing to the other Contracting Party one airline for the purpose of operating the agreed services in accordance with the Route Schedule.

2. On receipt of the designation, the Contracting Party shall, through its own aeronautical authorities and subject to the provisions of paragraphs 3 and 4 of this Article, without delay grant to the designated airline the appropriate operating authorisation.

3. The aeronautical authorities of one Contracting Party may require the airline designated by the other Contracting Party to satisfy them that it is qualified to fulfil the conditions prescribed under the laws and regulations normally applied by them to the operations of air carriers and of international commercial air services.

4. Each Contracting Party shall have the right to refuse to accept the designation of the airline or to withhold the grant to the airline of the rights specified in paragraph 2 of Article II of the present

Agreement or to impose such conditions as it may deem necessary on the exercise by the airline of those rights in any case where it is not satisfied that substantial ownership and effective control of that airline are vested in the other Contracting Party or its nationals. For the purpose of this paragraph, the expression "substantial ownership and effective control" means that in any case where the designated airline operates its services under this Agreement by entering into any agreement with the airline or any other country or the Government or nationals of any other country, the Contracting Party designating the airline or its nationals shall not be deemed to have substantial ownership and effective control of the designated airline, unless the Contracting Party or its nationals, in addition to the ownership of the major part of the assets of the designated airline, have also

- (i) effective control in the management of the designated airline, and
- (ii) ownership and effective control of the major part of the fleet of aircraft and equipment used in the operation of the services.

5. The airline so designated and authorised may begin to operate the agreed services at any time provided that the provisions of Articles X and XIII have been complied with.

ARTICLE IV

Each Contracting Party reserves the right to itself to revoke the operating authorisation or impose such appropriate conditions as it may deem necessary in case of failure by the designated airlines of the other Party to comply with the laws and regulations of the former Party, or in case, in the judgment of the former Party, there is a failure to fulfil the conditions under which the rights are granted in accordance with the present Agreement. This shall also apply if the provisions of paragraph 4 of Article III are not complied with. Such action shall be taken only after consultation between the Contracting Parties in accordance with Article XV of the present Agreement unless an immediate suspension of operations or imposition of conditions is necessary to avoid further infringements of laws, regulations or provisions of the present Agreement.

ARTICLE V

The charges imposed in the territory of one Contracting Party for the use of airports and other aviation facilities by the aircraft of the designated airline of the other Contracting Party shall not be higher than those paid by the aircraft of a national airline engaged in similar international air services.

ARTICLE VI

Fuel, Lubricating oil, spare parts, regular

equipment and aircraft stores introduced into the territory of a Contracting Party by the designated airline of the other Contracting Party and intended solely for use by or in aircraft of the designated airline of such Contracting party shall be exempt on a basis of reciprocity from customs duty, inspection fees and other similar national duties and charges.

2. Fuel, Lubricating oil, spare parts, regular equipment and aircraft stores retained on board an aircraft of the designated airline of a Contracting Party authorised to operate the routes and services provided for in the agreement shall, upon arrival in or departure from the territory of the other Contracting Party be exempt on a basis of reciprocity from customs duty, inspection fees and other similar national duties or charges.

3. Fuel, Lubricating oil, spare parts, regular equipment, and aircraft stores taken on board an aircraft of the designated airline of a Contracting Party in the territory of the other Contracting Party and used in international services shall be exempt on a basis of reciprocity from customs duty, inspection fees and other similar national duties or charges.

ARTICLE VII

The designated airline of each Contracting Party shall, enjoy fair and equal opportunity for the carriage of international traffic between and beyond the territories of the two Parties in accordance with the annex to this agreement.

ARTICLE VIII

In the operation by the designated airline of either Contracting Party of the agreed air services, the interests of the designated airline of the other Party shall be taken into consideration so as not to affect unduly the services which the latter provides on all or part of the same route.

ARTICLE IX

The frequency of services to be operated and the nature of air services, that is, transiting through or terminating in the territory of the other Contracting Party shall be agreed between designated airlines in accordance with the principles laid down in Articles VII and VIII and the provisions of this Article. Such agreement shall be subject to the approval of the aeronautical authorities of the two Contracting Parties.

2. Any increase in the frequency of services to be operated by the designated airline of either Contracting Party shall be agreed, in the first instance, between the designated airlines and shall be subject to the approval of the aeronautical authorities. Pending such approval the frequency entitlements already agreed shall prevail.

3. Subject to the provisions of paragraphs 1 and 2 of this Article, the designated airlines may operate with any type of aircraft regardless of its capacity.

4. If the designated airlines of the Contracting Parties fail to agree on any matter on which their

agreement is required under the provisions of this Article, the aeronautical authorities of the Contracting Parties shall endeavour to reach agreement thereon.

5. The frequency of services to be operated and the nature of air services, that is, transiting through or terminating in the territory of the other Contracting Party as agreed to in accordance with the provisions of this Article shall be specified in an exchange of letters between the aeronautical authorities of the Contracting Parties.

ARTICLE X

Each Contracting Party shall cause its designated airline to communicate to the aeronautical authorities of the other Contracting Party, as long in advance as practicable, prior to the inauguration of the agreed services, the type of service, the type of aircraft to be used, the flight schedules, tariff schedules, and all other relevant information concerning the operation of the agreed services including such information as may be required to satisfy the aeronautical authorities that the requirements of the present Agreement are being duly observed. The requirements of this Article shall likewise apply to any changes concerning the agreed services.

ARTICLE XI

The aeronautical authorities of either Contracting Party shall furnish to the aeronautical

authorities of the other Contracting Party statistics relating to the traffic carried during each month on their air services to or from or through the territory of the other Contracting Party showing the countries of origin and destination and the points of embarkation and dis-embarkation of such traffic. Such statistics shall be furnished as early as possible.

ARTICLE XII

Each Contracting Party grants to the designated airline of the other Contracting Party the right to remit to its head office the excess over expenditure of receipts earned in the territory of the first Contracting Party. The procedure for such remittances, however, shall be in accordance with the foreign exchange regulations of the Contracting Party in the territory of which the revenue accrued.

ARTICLE XIII

The tariffs i.e. the fares and rates to be charged on any agreed services shall be established at reasonable levels in accordance with the following provisions of this Articles.

2. The tariffs referred to in paragraph (1) of this Article, together with the rates of agency commission, discounts for group movements, free baggage allowances and the conditions of services, applicable to the carriage of passengers in the economy and first class as also the conditions relating to the carriage of cargo and baggage shall, in respect of each of the

specified routes, be those reached through the rate-fixing machinery of the International Air Transport Association. Such tariffs and conditions shall be subject to the approval of the aeronautical authorities of both Contracting Parties.

3. If for some reason a tariff or condition of service cannot be determined in accordance with the provisions of paragraph (2) of this Article, the aeronautical authorities of the Contracting Parties shall try to determine such tariff or condition of service by agreement between themselves.

4. If the aeronautical authorities cannot agree on the approval of any tariff or condition of service submitted to them under paragraph (2) of this Article or on the determination of any tariff under paragraph (3) the matter shall be referred to the Contracting Parties for settlement in accordance with the provisions of Article XVI of the present Agreement.

5. Pending determination of the tariffs or condition of service in accordance with the provisions of this Article, the tariffs or condition of service already in force shall prevail.

ARTICLE XIV

In a spirit of close collaboration, the aeronautical authorities of the two Contracting Parties shall exchange views regularly on the application and interpretation of the present Agreement.

ARTICLE XV

Consultations may be requested at any time by either Contracting Party for the purpose of initiating any amendments to the present Agreement. Consultations may also be required on matters concerning the interpretation and application of the present Agreement if either Contracting Party considers that an exchange of views within the meaning of Article XIV has been without success. Such consultation shall begin within a period of sixty days from the date of the request. Any modification of the present Agreement as a result of such consultations shall come into effect after the respective constitutional requirements have been fulfilled and when it has been confirmed by an exchange of diplomatic notes.

ARTICLE XVI

If any dispute arises between the Contracting Parties relating to the interpretation or application of the present Agreement, the Contracting Parties shall in the first place endeavour to settle it by negotiation between themselves.

2. If the Contracting Parties fail to reach a settlement by negotiation within ninety (90) days of the date of formal notification of a dispute by either Contracting Party, they may agree to refer the dispute for decision to some person or body; if they do not so agree, the dispute shall at the request of either Contracting Party be submitted for a decision to a tribunal

of three arbitrators, one to be nominated by each Contracting Party and the third to be appointed by the two so nominated. Each of the Contracting Parties shall nominate an arbitrator within a period of sixty (60) days from the date of receipt by either Contracting Party from the other of a notice through diplomatic channels requesting arbitration of the dispute by such a tribunal and the third arbitrator shall be appointed within a further period of sixty (60) days. If either of the Contracting Parties fails to nominate an arbitrator within the period specified, or if the third arbitrator is not appointed within the period specified, the President of the Council of the International Civil Aviation Organisation may be requested by either Contracting Party to appoint an arbitrator or arbitrators as the case requires. In such cases, the third arbitrator shall not be a national of either Contracting Party and shall act as President of the arbitral tribunal.

3. The Contracting Parties shall comply with any decision given under paragraph (2) of this Article.

ARTICLE XVII

To the extent to which they are applicable to the air services established under the present Agreement, the provisions of the Convention shall remain in force in their present form between the Contracting Parties for the duration of the Agreement, as if they were an integral part of the Agreement, unless both

Contracting Parties ratify any amendment to the Convention, which shall have duly come into force, in which case the Convention as amended shall remain in force for the duration of the Present Agreement.

ARTICLE XVIII

The annex attached to the present Agreement shall be deemed to be part of the Agreement and all references to the Agreement shall include reference to the Annex, except where otherwise expressly provided.

2. The present Agreement shall be subject to ratification and instruments of ratification shall be exchanged as soon as possible.

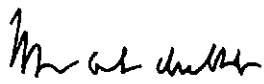
3. The present Agreement shall come into force on the date of the exchange of instruments of ratification.

ARTICLE XIX

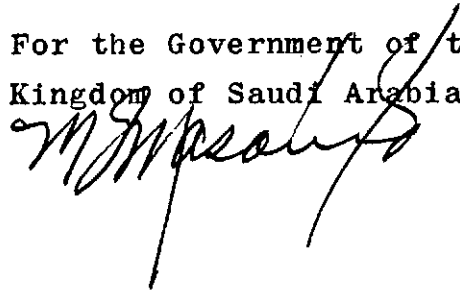
Either Contracting Party may, at any time, give written notice to the other, of its desire to terminate the present Agreement. Such notice shall be simultaneously communicated to the International Civil Aviation Organisation. If such notice is given, the present Agreement shall terminate twelve months after the date of receipt of the notice by the other Contracting Party, unless the notice to terminate is withdrawn by Agreement before the expiry of this period. In the absence of acknowledgement of receipt by the other

Contracting Party, notice shall be deemed to have been received fourteen days after the receipt of the notice by the International Civil Aviation Organization.

Done at Jeddah on the twentysixth day of April 1973 in six originals, two each in hindi, Arabic and English languages, all the three texts being equally authentic. In case of any divergence of interpretation, the English text shall prevail.


For the Government of
India

For the Government of the
Kingdom of Saudi Arabia.



A N N E X

SECTION I

The airline designated by the Government of India shall be entitled to operate air services in each direction on the routes specified in this Section and to land for traffic purposes in the territory of the Kingdom of Saudi Arabia at the points therein specified:-

- (a) India, Dubai, a point in the Gulf of Air-India's choice to Dhahran and beyond to a point in the Middle East, two points in Continental Europe, London and New York.
- (b) India, Dubai, a point in the Gulf of Air-India's choice to Jeddah and beyond to points in East Africa and beyond.

NOTE: According to Saudi Arabian Government policy no traffic rights are to be exercised by the designated airline of India between points within the Arab League State unless Saudi Arabian Airline does not operate on the same sector.

SECTION II

The airline designated by the Government of the Kingdom of Saudi Arabia shall be entitled to operate air services in each direction on the routes specified

in this Section and to land for traffic purposes in the territory of India at the points therein specified:-

- (a) Saudi Arabia, Dubai, Karachi to Bombay and beyond to Bangkok, Manila and Tokyo.
- (b) Saudi Arabia, Dubai, Karachi to Bombay and beyond to Colombo, Kuala Lumpur and Jakarta.

SECTION III

- (a) Points specified on one route shall not be served on the other route.
- (b) Points on any of the specified routes may be omitted on any or all flights at the option of the designated airline.

...